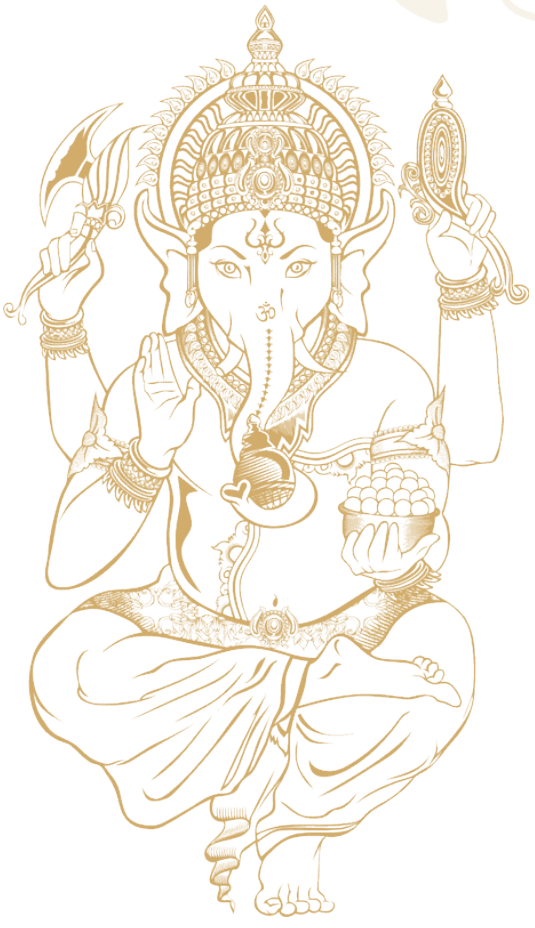

Nishant sharma

Shubhangi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121249802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/02/1995	जन्म तिथि	23/03/1998
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 21:00:00	जन्म समय	08:48:00 घंटे
घटी 35:14:44	जन्म समय(घटी)	06:04:04 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Jaipur
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:54:06	सूर्योदय	06:28:06
18:15:41	सूर्यास्त	18:39:02
23:47:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:50

विंशोत्तरी	
शनि 7वर्ष 11मा 17दि	
केतु	
09/02/2020	
09/02/2027	
केतु	08/07/2020
शुक्र	07/09/2021
सूर्य	13/01/2022
चन्द्र	14/08/2022
मंगल	10/01/2023
राहु	28/01/2024
गुरु	03/01/2025
शनि	12/02/2026
बुध	09/02/2027

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
16:35:02	कन्या	लग्न	मेष	23:15:59
09:44:52	कुंभ	सूर्य	मीन	08:27:40
11:04:41	वृश्चि	चंद्र	मक	00:38:22
25:03:21	कर्क व	मंगल	मीन	20:22:25
13:57:20	मक	बुध	मीन	26:15:17
19:26:17	वृश्चि	गुरु	कुंभ	17:19:02
26:32:30	धनु	शुक्र	मक	22:04:17
19:49:14	कुंभ	शनि	मीन	26:50:26
14:02:32	तुला व	राहु	सिंह	16:33:11
14:02:32	मेष व	केतु	कुंभ	16:33:11
04:40:54	मक	हर्ष	मक	17:41:28
00:40:46	मक	नेप	मक	07:50:54
06:47:09	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:11:34

विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 2मा 16दि	
राहु	
09/06/2019	
08/06/2037	
राहु	19/02/2022
गुरु	14/07/2024
शनि	21/05/2027
बुध	08/12/2029
केतु	26/12/2030
शुक्र	26/12/2033
सूर्य	20/11/2034
चन्द्र	21/05/2036
मंगल	08/06/2037

लग्न-चलित

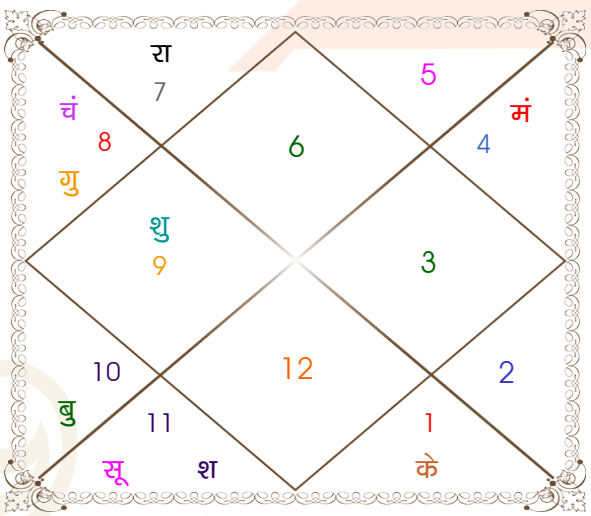

लग्न-चलित

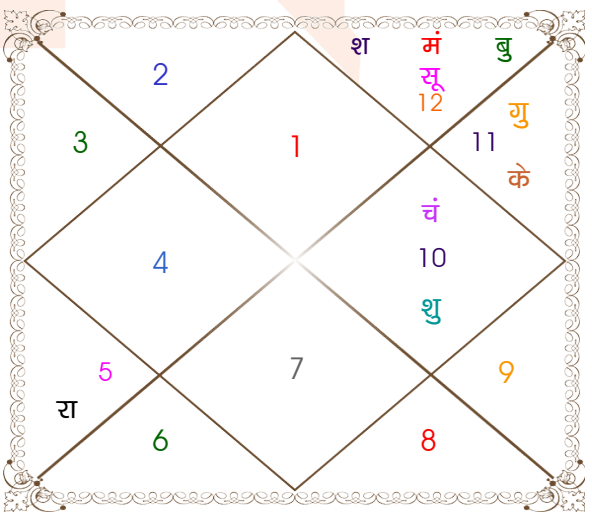

Acharya Ashok Shukla Vedpathi   Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

छर्पोंदजर्ोंतउं का वर्ग सर्प है तथा Shubhangi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छर्पोंदजर्ोंतउं और Shubhangi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छर्पोंदजर्ोंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Shubhangi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छर्पोंदजर्ोंतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छर्पोंदजर्ोंतउं तथा Shubhangi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।